



# आरआरटीएस को रेलपथ संरचना, चल स्टॉक तथा संकेतन प्रणाली की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से 180 किमी प्रति घण्टा की गति के लिए तैयार किया गया है एडीआईएफ, के साथ तकनीकी वाणिज्यिक समझौता

## शहरी परिवहन के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग तथा आरआरटीएस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु संस्थानिक तंत्र

### तीन आरआरटीएस गलियारे: दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-पानीपत तथा दिल्ली-अलवर स्मार्ट लाइनों को प्राथमिकता

Posted On: 30 NOV 2017 7:35PM by PIB Delhi

श्री विनय कुमार सिंह, प्रबंध निदेशक/एनसीआरटीसी तथा श्री मिग्यूल निडतो मेनॉर, महानिदेशक, एडीआईएफ ऑफ स्पेन ने पिछली सायं श्री हरदीप सिंह पुरी, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री तथा मंत्रालय में सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा की उपस्थिति में इंडो- स्पेनिश तकनीकी सहयोग (सरकार से सरकार) समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस समारोह में श्री फरनाण्डो नोकोलॉस पुईगार, अंतर्राष्ट्रीय निदेशक/एआईडीएफ, वरिष्ठ मंत्रालय अधिकारी, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि तथा भारत में स्पेनिश दूतावास के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि इस समझौते से रेलपथ, संकेतन प्रणाली, चल स्टॉक, संरक्षा बहुल आकारीय एकीभवन, स्टेशन अभिकल्प इत्यादि के तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण तथा सहयोग के अलावा विशिष्ट मामलों में तकनीकी परामर्श भी उपलब्ध होगा। परियोजना के महत्व पर जोर देते हुए श्री मिश्रा ने बताया कि इस समझौते से शहरी परिवहन के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग तथा विशेष रूप से आरआरटीएस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए संस्थानिक तंत्र की व्यवस्था होगी।

भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, और दिल्ली के संयुक्त उपक्रम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रेल आधारित क्षेत्रीय द्रुत पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) का अभिकल्प, निर्माण, परिचालन तथा रखरखाव का कार्य सौंपा गया है। प्रथम चरण में तीन आरआरटीएस गलियारे: दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-पानीपत तथा दिल्ली-अलवर स्मार्ट लाइनों को कार्यान्वयन की प्राथमिकता दी गई है। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ चालू किये जाने वाला पहला गलियारा होगा जिसके लिए जियो-तकनीकी जांच, विस्तृत अभिकल्प, सुविधाओं के बदलाव की योजना तथा यातायात के बदलाव के कार्य सहित निर्माण पूर्व गतिविधियां प्रगति पर हैं।

भारत में आरआरटीएस अपने प्रकार की पहली परियोजना होगी जिसमें रेलपथ, चल-स्टॉक तथा सिग्नल प्रणाली के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर 180 कि.मी प्रति घण्टा की गति की व्यवस्था होगी। भारत में उच्च स्पीड की इन प्रौद्योगिकियों की विशेषज्ञता और अनुभव की कमी के कारण परियोजना के कुशल कार्यान्वयन, प्रणाली संचलन तथा देश में ही क्षमता विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता का सहारा लेना पड़ेगा। एआईडीएफ स्पेन, राज्य अधीन रेलवे संरचना कंपनी को नियोजन, विकास, निर्माण, परिचालन तथा उच्च गति की रेलों के रखरखाव तथा मैट्रिड में सकानियस जैसी क्षेत्रीय रेल प्रणालियों का अनुभव है।

एसएनसीएफ, फ्रांस की राजकीय रेलवे कंपनी ने भी आरआरटीएस परियोजनाओं में सहायता करने की इच्छा व्यक्त की है। इस सप्ताह के शुरू में एसएनसीएफ के प्रतिनिधि मंडल के हाल ही के दौरे के दौरान एनसीआरटीसी तथा एसएनसीएफ के बीच इसी प्रकार के समझौते की संभावनाओं को तलाशा गया था।

\*\*\*\*\*

वीके/जेडी/एल- 5677

(Release ID: 1511397) Visitor Counter : 26

